विश्व की विश्वास से जुड़ी परंपराएँ

उत्तर कुंजी

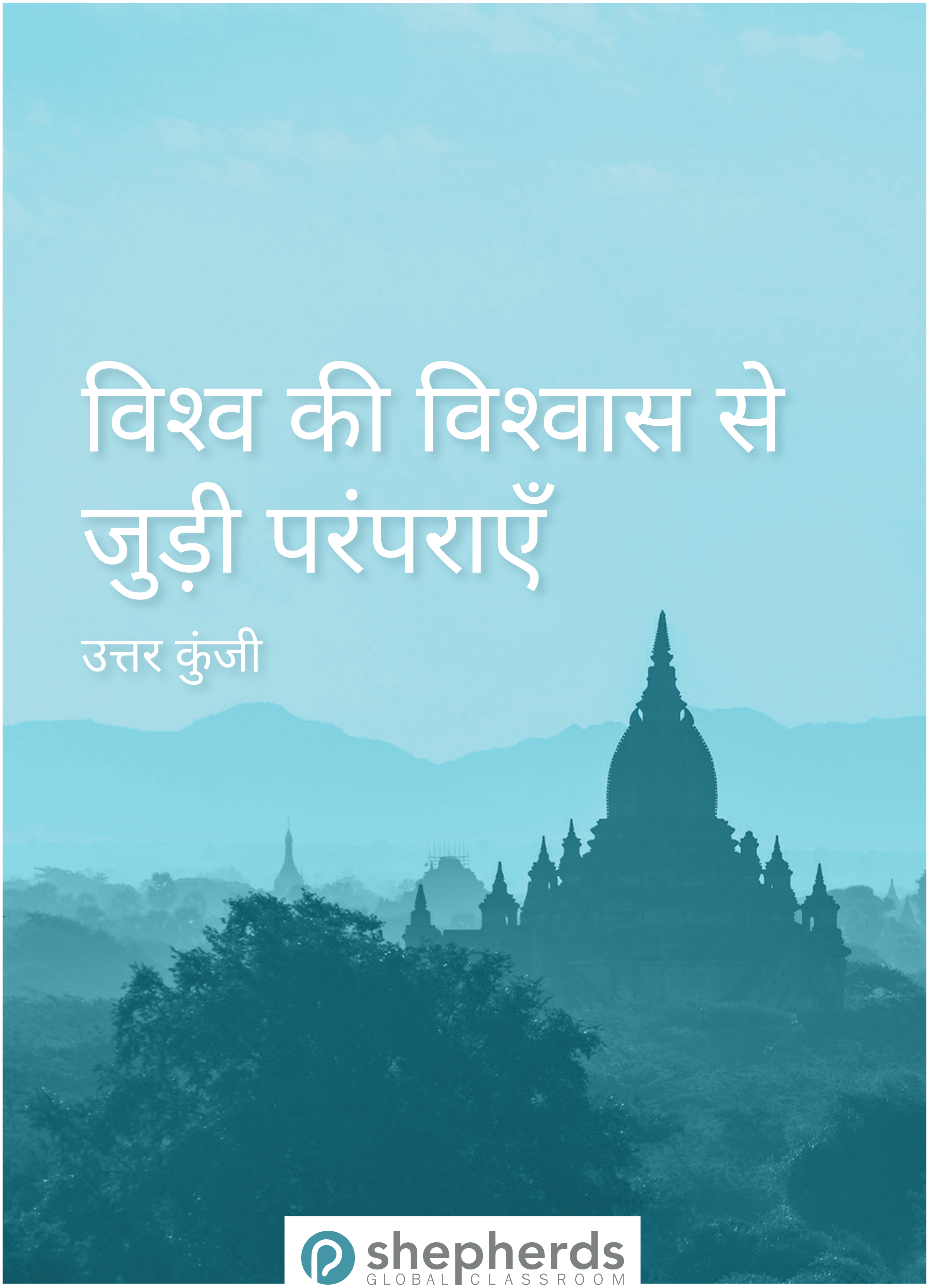

shepherds
GLOBAL CLASSROOM

विश्व की विश्वास से जुड़ी परंपराएँ

उत्तर कुंजी

shepherds
GLOBAL CLASSROOM

पाठ 3
मोर्मोनवाद

(1) मसीही धर्म के इतिहास के बारे में मोर्मोन क्या मानते हैं?

मोर्मोंस विश्वास करते हैं कि वास्तविक मसीहियत प्रेरितों के पश्चात् तब तक अस्तित्व में नहीं थी जब तक कि उनकी कलीसिया आरम्भ नहीं हो गई।

(2) मोर्मोन का अंतिम लक्ष्य क्या है?

मॉरमन का अंतिम लक्ष्य मृत्यु के बाद एक ईश्वर बनना है।

(3) मोर्मोन क्या मानते हैं कि यीशु अपने जन्म से पहले कौन थे?

मोर्मोंस विश्वास करते हैं कि यीशु अन्य स्वर्गदूतों की तरह एक आत्मा थे; वह ईश्वर नहीं थे।

(4) मोर्मोन अन्य कलीसियाओं के बारे में क्या सोचते हैं?

मोर्मोंस मानते हैं कि अन्य सभी कलिसियाएँ झूठी होती हैं।

(5) मोर्मोन के लिए सर्वोच्च अधिकारी कौन है?

मोर्मोंस के लिए सर्वोच्च अधिकार जोसफ स्मिथ का प्रकाशन है।

पाठ 4
यहोवा विटनेसस

(1) यहोवा विटनेसेस दूसरे चर्चों के बारे में क्या सोचते हैं?

यहोवा विटनेसेस मानते हैं कि अन्य सभी चर्च शैतानी हैं और केवल एक यहोवा विटनेसेस का ही उद्धार हो सकता है।

(2) यहोवा विटनेसेस क्या मानते हैं कि उद्धार पाने के लिए एक व्यक्ति को क्या करना चाहिए?

यहोवा विटनेसेस का मानना है कि उद्धार पाने के लिए, एक व्यक्ति को उनके संगठन में शामिल होना चाहिए, उनके सिद्धांतों को सीखना चाहिए और अपनी आवश्यकताओं का अभ्यास करना शुरू करना चाहिए।

(3) यहोवा विटनेसेस पवित्र आत्मा के बारे में क्या मानते हैं?

यहोवा विटनेसेस मानते हैं कि पवित्र आत्मा परमेश्वर नहीं वरन ईश्वर से निकली एक अवैयक्तिक शक्ति है।

(4) यहोवा विटनेसेस यीशु के बारे में कौन-सी झूठी मान्यताएँ सिखाते हैं?

यहोवा विटनेसेस सिखाते हैं कि यीशु परमेश्वर द्वारा बनाए गए पहली चीज़ थे, लेकिन वह केवल एक सिद्ध व्यक्ति थे, न कि परमेश्वर।

पाठ 5
इग्लेसिया नी क्रिस्टो

(1) इग्लेसिया नी क्रिस्टो का अनुवादित नाम क्या है?

इग्लेसिया नी क्रिस्टो नाम का अनुवाद “मसीह की कलीसिया” है।

(2) इग्लेसिया नी क्रिस्टो का सबसे महत्वपूर्ण विश्वास क्या है?

इग्लेसिया नी क्रिस्टो का सबसे महत्वपूर्ण विश्वास यह है कि वे ही सच्ची कलीसिया हैं,जिसे फेलिक्स मानलो ने बहाल किया था।

(3) इग्लेसिया नी क्रिस्टो यीशु के बारे में क्या सिखाता है?

इग्लेसिया नी क्रिस्टोसिखाता है कि यीशु एक विशेष मनुष्य थे लेकिन परमेश्वर नहीं थे।

(4) इग्लेसिया नी क्रिस्टो के अनुसार, उद्धार पाने के लिए एक व्यक्ति को कौन सी दो चीजें करनी चाहिए?

इग्लेसिया नी क्रिस्टो के अनुसार, उद्धार पाने के लिए एक व्यक्ति को कलीसिया में शामिल होना चाहिए और वहां की मांगों को पूरा करना चाहिए ।

(5) कौन सा बड़ा पंथ सिद्धांत में इग्लेसिया नी क्रिस्टो के समान है?

इग्लेसिया नी क्रिस्टो के सिद्धांत लगभग यहोवा विटनेसेस के समान हैं।

पाठ 6
ईस्टर्न लाइटनिंग

(1) ईस्टर्न लाइटनिंग नामक पंथ का आधिकारिक नाम क्या है?

ईस्टर्न लाइटनिंग को "Church of Almighty God" कहा जाता है ।

(2) ईस्टर्न लाइटनिंग यीशु के बारे में क्या सिखाते है?

ईस्टर्न लाइटनिंग सिखाते हैं कि यीशु का नाम अब पुराना और शक्तिहीन हो चुका है, और डेंग अब मसीह है।

(3) ईस्टर्न लाइटनिंग के अनुसार, एक व्यक्ति कैसे बचाया जाता है?

ईस्टर्न लाइटनिंग के अनुसार एक व्यक्ति को यीशु में अपना विश्वास छोड़कर,डेंग अर्थात महिला मसीह का अनुसरण करना चाहिए।

पाठ 7
प्रलयवादी पंथ

(1) प्रलयवादी पंथ लोगों की भावनात्मक और आध्यात्मिक ज़रूरतों को कैसे पूरा करने की कोशिश करते हैं?

प्रलयवादी पंथ लोगों को दुनिया की स्थिति और उन्हें इस स्तिथि में तैयार होने के क्या करना चाहिए समझाकर,लोगों की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करते हैं ।

(2) प्रलयवादी पंथ बाइबल का दुरुपयोग कैसे करते हैं?

प्रलयवादी पंथ बाइबल के मतलब को समझने के लिए नये प्रकाशनों पर निर्भर होने की ज़रूरत के नाम पर बाइबल का दुरुपयोग करते हैं ।

(3) प्रलयवादी पंथ विनाशकारी कैसे हैं?

- प्रलयवादी पंथ मसीही कलीसियाओं के लोगों को झूठे सिद्धांत में ले जाते हैं
- उन्हें गैर-मसीही व्यवहारों में खींचते हैं
- उनके नुयायियों के विश्वास को निराश करते हैं
- और लोगों के मन में वचनों के प्रति संदेह उत्पन्न करते हैं

(4) बाइबल से भविष्यद्वाणी संबंधी वचनों का महान विषय क्या है?

बाइबल में भविष्यद्वाणीयों का महान विषय यह है कि परमेश्वर नियंत्रण में हैं, और अंततः वह अपना राज्य स्थापित और धर्मियों को पुरस्कृत करेंगे।

पाठ 8
हिन्दूवाद

(1) हिंदू धर्म के देवताओं का नैतिक चरित्र एक सच्चे ईश्वर के नैतिक चरित्र से किस प्रकार भिन्न है?

हिंदू धर्म के देवता अच्छा और बुरा दोनों करते हैं।

(2) हिंदुओं के अनुसार ब्रह्म क्या है?

हिंदुओं का मानना है कि ब्रह्म हर जीवित चीज में प्राण या आवश्यक जीव है।

(3) यीशु के बारे में हिंदू दृष्टिकोण क्या है?

कुछ हिंदुओं का मानना है कि यीशु एक ऐसा व्यक्ति था जिसने हिंदू धर्म के सिद्धांतों का अभ्यास किया,वह एक महान शिक्षक था, लेकिन वह परमेश्वर का अद्वितीय पुत्र नहीं था।

(4) हिंदू का अंतिम लक्ष्य क्या है?

हिंदू का अंतिम लक्ष्य निर्वाण नामक एक शाश्वत स्थिति में पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति पाना है।

पाठ 9
बौद्ध धर्म

(1) बौद्ध लोग ईश्वर के स्थान पर किस पर विश्वास करते हैं?

बौद्ध एक परम वास्तविकता में विश्वास करते हैं जो कि मौजूद हर चीज का कुल योग है।

(2) बौद्ध धर्म के अंतिम लक्ष्य का नाम बताइए और उसे परिभाषित कीजिए।

बौद्ध का अंतिम लक्ष्य निर्वाण में प्रवेश करना है, जिसका अर्थ शून्यता,स्वयं का अंत है ।

(3) बौद्ध लोग जीवन में दुखों के लिए क्या स्पष्टीकरण देते हैं?

दुख इच्छाओं का परिणाम है।

(4) बौद्ध लोग मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास क्यों करते हैं?

बौद्ध आत्म-केंद्रित स्तिथि से आगे बढ़ने में मदद करने के लिए मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास करते हैं।

पाठ 10
ताओ धर्म

(1) ताओवादी किससे प्रार्थना करते हैं?

ताओवादी विभिन्न देवताओं, आत्माओं और पूर्वजों से प्रार्थना करते हैं।

(2) ताओवाद में सर्वोच्च देवता कौन हैं?

ताओवादी यू-हुआंग में विश्वास करते हैं, जो अन्य देवताओं पर शासन करता है; और वे युआन-शिह टीएन-त्सुन में विश्वास करते हैं, जिनके पास ईश्वर के पूर्ण गुण हैं लेकिन वह दुनिया में शामिल नहीं है।

(3) ताओवादी का लक्ष्य क्या है?

ताओवादी अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और अपने जीवन को लंबा करने के लिए, ब्रह्मांड की शक्तियों के साथ सोहार्द बनाना चाहते हैं।

(4) ताओवाद के अनुसार, यीशु कौन हैं?

ताओवाद के अनुसार, यीशु एक ऐसा व्यक्ति था जो आध्यात्मिक रूप से उन्नत था और जो दूसरों को देवता बनने का मार्ग दिखाता था।

पाठ 11
इस्लाम

(1) इस्लाम के ईश्वर, पैगम्बर और पवित्र पुस्तक का नाम बताइए।

- अल्लाह इस्लाम के ईश्वर हैं।
- मुहम्मद अल्लाह के पैगंबर हैं।
- कुरान इस्लाम की पवित्र पुस्तक है।

(2) मुसलमान यीशु के बारे में कौन-सी गलत धारणाएँ रखते हैं?

मुसलमान यह नहीं मानते हैं कि यीशु ईश्वर के पुत्र या ईश्वर का अवतार थे, और वे इस बात से इनकार करते हैं कि यीशु दुनिया के उद्धारकर्ता हैं।

(3) मुसलमान बाइबल के बारे में क्या मानते हैं?

मुसलमानों का मानना है कि बाइबिल ईश्वर की और से है लेकिन यह कुरान की तुलना में कम आधिकारिक है।

(4) मुसलमान उद्धार के बारे में क्या मानते हैं?

मुसलमानों का मानना है कि इस्लाम की मांगों (पांच स्तंभों) को पूरा करके उद्धार या मोक्ष अर्जित किया जाता है।

पाठ 12
यहूदी धर्म

(1) यहूदी धर्म और मसीही धर्म में कौन से धर्मग्रंथ समान हैं?

यहूदी और मसीही धर्म दोनों पुराने नियम में विश्वास करते हैं।

(2) यहूदी धर्म में उद्धार की अवधारणा क्या है?

यहूदी धर्म उद्धार को सताव की परिस्थितियों या ऐसी परिस्थितियों से छुटकारे के रूप में देखता है, जो उन्हें परमेश्वर की सेवा करने से रोकती हैं, जैसा कि उन्हें करना चाहिए।

(3) यहूदी धर्म के अनुसार यीशु कौन थे?

यहूदी धर्म के अनुसार, यीशु एक विवादास्पद शिक्षक था जो मसीह और परमेश्वर नहीं था।

(4) यहूदी धर्म किस तरह के मसीहा की अपेक्षा करता है?

यहूदी धर्म अपेक्षा करता है कि मसीह परमेश्वर का अवतार नहीं होगा, बल्कि एक विशेष रूप से अभिषिक्त व्यक्ति होगा जो दुनिया में शांति लाएगा।

पाठ 13
नये युग का धर्म

(1) नए युग के अनुयायी अलौकिकता के साथ कैसे बातचीत करते हैं?

नए युग के अनुयायी जादू के सभी रूपों का उपयोग करके अलौकिक कार्यों के साथ बातचीत करते हैं।

(2) नए युग का धर्म दूसरे धर्मों को किस तरह देखते हैं?

नए युगवादी, उन समूहों को छोड़, जो वह सत्य होने का दावा करते हैं जिस पर सभी को विश्वास करना चाहिए, बाकि सारे समूहों सहन करते लेते हैं।

(3) परमेश्वर के बारे में नए युग की अवधारणा क्या है?

परमेश्वर की नए युगवादी अवधारणा सर्वेश्वरवादी है।

(4) नए युग के अनुयायी यीशु के बारे में क्या मानते हैं?

नए युग के अनुयायियों का मानना है कि यीशु एक ऐसा व्यक्ति था जो कि विशेष शक्तियों का उपयोग जानता था और दूसरों को भी ऐसा करना सिखाने की कोशिश करता था।

(5) नए युग के अनुयायी पाप के बारे में क्या मानते हैं?

नए युग के अनुयायी पाप की वास्तविकता में विश्वास नहीं करते हैं, क्योंकि वे ऐसे परमेश्वर में विश्वास नहीं करते जो एक मानक निर्धारित करता है और न्याय करता है।

(6) नए युग के अनुयायी उद्धार के बारे में क्या मानते हैं?

नए युग के अनुयायी बाइबिल आधारित उद्धार की अवधारणा को अस्वीकार करते हैं, और मानते हैं कि मानव समस्याओं का समाधान आध्यात्मिक जागरूकता और आध्यात्मिक शक्तियों का विकास है।

पाठ 14
प्राकृतिक धर्म

(1) क्या प्रकृतिक धर्मों की मान्यताएँ और प्रथाएँ एक विशेष धर्म तक ही सीमित हैं? समझाएँ।

नहीं। प्रकृतिक धर्मों की अनेक मान्यताएँ और प्रथाएँ अन्य प्रमुख विश्व धर्मों के उपासकों में भी पाई जाती हैं, जिनमें हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, वूडू धर्म और रोमन कैथोलिक धर्म सम्मिलित हैं।

(2) प्रकृतिक धर्मों का पालन करने वाले लोग आत्माओं के साथ कैसे बातचीत करते हैं?

वे विशेष मन्त्रों, वस्तुओं या कार्यों का उपयोग करके आत्माओं के साथ बातचीत करते हैं।

(3) अंधविश्वास क्या है?

एक अंधविश्वास यह विचार है कि किसी व्यक्ति को कुछ प्रथाओं का पालन करना चाहिए क्योंकि विशेष वस्तुओं, कार्यों

(4) मसीहियत अंधविश्वासी क्यों नहीं हैं?

मसीही अंधविश्वासी नहीं होते,क्योंकि वे परमेश्वर की सर्वोच्च शक्ति पर भरोसा करते हैं।

(5) एनिमिस्ट ईश्वर से प्रार्थना क्यों नहीं करते?

जीववादी परमेश्वर से प्रार्थना नहीं करते हैं, क्योंकि वे सोचते हैं कि उसके साथ सम्पर्क होना असम्भव है।

पाठ 15
वुडू

(1) वुडू के साधक किसकी उपासना करते हैं?

वूडू को मानने वाले शैतान और बुरी आत्माओं की पूजा करते हैं।.

(2) वुडू धर्म किस कलीसिया से अनुष्ठान, छवियाँ और संत के नाम लेता है?

वूडू रोमन कैथोलिक चर्च से अनुष्ठानों, छवियों और संत नामों को अपनाता है।

(3) वुडू उपासना सेवा के दौरान उपासक का लक्ष्य क्या होता है?

वूडू उपासक एक आत्मा के अधीन होने की कोशिश करता है।

(4) वुडू समारोहों में इस्तेमाल की जाने वाली चीज़ों के कुछ उदाहरण क्या हैं?

उत्तरों में निम्नलिखित में से कुछ शामिल हो सकती हैं:

वडू उपासक अपनी पूजा समारोह में निम्न का उपयोग करते हैं:

- जानवरों की बलि
- नृत्य
- गाने
- प्रार्थना
- खाद्य पदार्थ
- खींचे गए आरेख
- साँप
- सफेद कपड़े
- चेहरे का रंग

पाठ 16
सेवेंथ डे एड्वैंटिस्म को समझना

(1) एडवेंटिस्टों का परमेश्वर के बारे में क्या दृष्टिकोण है?

एडवेंटिस्टस त्रिएकता, मसीह और पवित्र आत्मा की ईश्वरीयता पर विश्वास करते हैं ।

(2) एडवेंटिस्टों का उद्धार के बारे में क्या दृष्टिकोण है?

एडवेंटिस्टस विश्वास करते हैं कि उद्धार विश्वास के द्वारा अनुग्रह से मिलता है, भले कामों से नहीं।

(3) एडवेंटिस्टों का मानना है कि पुनरुत्थान के समय लोगों के साथ क्या होगा?

एडवेंटिस्टस का मानना है कि पुनरुत्थान के समय उद्धार पाए हुए सभी लोग अनन्त जीवन प्राप्त करेंगे, जबकि जिनका उद्धार नहीं हुआ है उनका न्याय किया जाएगा और उन्हें आग की झील में नष्ट कर दिया जाएगा।

(4) वह प्राथमिक सिद्धांत क्या है जो एडवेंटिस्टों को अन्य चर्चों से अलग करता है?

एडवेंटिस्टस सबसे अधिक शनिवार को सब्त के रूप में मानने के कारण अन्य कलीसियाओं से भिन्न हैं ।

पाठ 17
रोमन कैथोलिकवाद को समझना

(1) रोमन कैथोलिक धर्म अपने नाम के साथ क्या दावा करता है?

रोमन कैथोलिक पूर्ण, सार्वभौमिक चर्च होने का दावा करते हैं।

(2) रोमन कैथोलिक परमेश्वर के बारे में क्या विश्वास करते हैं?

रोमन कैथोलिक त्रिएकता,ईश्वर,मृत्यु,दफ़न,मसीह के पुनरुत्थान और पवित्र आत्मा के ईश्वरत्व पर विश्वास करते हैं।

(3) रोमन कैथोलिकों पर मूर्तिपूजा का आरोप क्यों लगाया जाता है?

रोमन कैथोलिकों पर मूर्तिपूजा का आरोप लगाया जाता है क्योंकि वे संतों से उनकी तस्वीरों और मूर्तियों का उपयोग करके प्रार्थना करते हैं।

(4) उद्धार के बारे में रोमन कैथोलिक दृष्टिकोण क्या है?

रोमन कैथोलिकों का मानना है कि उद्धार न केवल मसीह के प्रायश्चित से बल्कि कैथोलिक चर्च का हिस्सा होने, प्रभु भोज लेने और अच्छे काम करने से मिलता है।

(5) शुद्धिकरण का रोमन कैथोलिक सिद्धांत क्या है?

शुद्धिकरण के सम्बन्ध में रोमन कैथोलिक सिद्धांत यह है कि मृत्यु के बाद एक व्यक्ति को स्वर्ग में प्रवेश करने से पहले पापों के लिए सजा भुगतनी होगी।

पाठ 18
ईस्टर्न रूढ़िवाद को समझना

(1) ईस्टर्न रूढ़िवादी चर्च का नाम क्या दावा करता है?

रूढ़िवादी शब्द का अर्थ है सही आराधना, और यह दर्शाता है कि पूर्वी रूढ़िवादी चर्च सही तरीके से परमेश्वर की उपासना करने का दावा करता है।

(2) ईस्टर्न रूढ़िवादी चर्च परमेश्वर के बारे में क्या विश्वास करता है?

ईस्टर्न रूढ़िवादी चर्च त्रिएकता और मसीह और पवित्र आत्मा के ईश्वर होने में विश्वास करता है।

(3) ईस्टर्न रूढ़िवादी चर्च बाइबल के बारे में क्या सिखाता है?

ईस्टर्न रूढ़िवादी चर्च सिखाता है कि बाइबल उनके सिद्धांत का आधार है, लेकिन चर्च द्वारा बाइबल की व्याख्या की जानी चाहिए।

(4) ईस्टर्न रूढ़िवादी के अनुयायी संतों से प्रार्थना क्यों करते हैं?

ईस्टर्न रूढ़िवादी के कई अनुयायी ईश्वर और यहां तक कि यीशु को भी अपने से दूर और उदासीन मानते हैं, इसलिए परमेश्वर की बजाय संतों से प्रार्थना करते हैं।

(5) ईस्टर्न रूढ़िवादी की शिक्षा के अनुसार *थियोसिस* में क्या होता है?

ईस्टर्न रूढिवादी सोच के अनुसार, *थिओसिस* में,एक विश्वासी धीरे धीरे ईश्वर की समानता में परिवर्तित हो जाता है जिसमें पवित्र पूर्णता का अपना समान स्वभाव होता है।

पाठ 19
समृद्धि के धर्मशास्त्र को समझना

(1) झूठे समृद्धि शिक्षकों की चार सामान्य विशेषताएँ बताइए।

- वे पश्चाताप की बुलाहट करने के बजाय सांसारिक लक्ष्यों को बताकर अविश्वासियों को आकर्षित करते हैं।
- वे मानवीय दुःख के बारे में यथार्थवादी मसीही दृष्टिकोण नहीं देते।
- उनका रवैया घमंडी है जो अन्य कलीसियाओं, वृद्ध मसीहियों और यहाँ तक कि परमेश्वर के प्रति भी अनादरपूर्ण है।
- वे ऐसे वायदे करते हैं जो परमेश्वर नहीं करते, जिसके परिणामस्वरूप निराशा होती है और विश्वास में कमी आती है।

(2) झूठे समृद्धि धर्मशास्त्र के अनुसार, विश्वास क्या है?

झूठे समृद्धि धर्मशास्त्र के अनुसार, विश्वास ब्रह्माण्ड की अवैयक्तिक सामर्थ्य और सार है।

(3) झूठे समृद्धि धर्मशास्त्र के अनुसार, परमेश्वर कौन है?

समृद्धि धर्मशास्त्र के अनुसार, परमेश्वर एक शारीरिक व्यक्ति है।

(4) झूठे समृद्धि धर्मशास्त्र के अनुसार, लोग क्या हैं?

समृद्धि धर्मशास्त्र के अनुसार, लोग परमेश्वर की नक़ल हैं।

मसीह पर केंद्रित। प्रशिक्षण। हर जगह।

shepherds GLOBAL CLASSROOM

SHEPHERDSGLOBAL.ORG